BEVAE-181

सत्रीय कार्य पुस्तिका

विज्ञान में स्नातक उपाधि कार्यक्रम
(बी.एस.सी.जी. / बी.ए.जी. / बीकॉम.जी.)
पर्यावरण अध्ययन पर क्षमता वर्धक अनिवार्य पाठ्यक्रम (एईसीसी)

1 जनवरी, 2026 से 31 दिसंबर, 2026 तक वैध

विज्ञान विज्ञापीठ
इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी
नई दिल्ली–110068
(2026)

प्रिय विद्यार्थी,

आपके नामांकन के बाद हमने आपको स्नातक उपाधि कार्यक्रम की कार्यक्रम दर्शिका भेजी थी। उसमें सत्रीय कार्य से संबंधित जो भाग है, उसे कृपया पढ़ लें। जैसा कि आप जानते हैं, सतत मूल्यांकन के लिए 30% अंक निर्धारित किये गये हैं। इसके लिए आपको इस पाठ्यक्रम का **एक सत्रीय कार्य** हल करना होगा। यह सत्रीय कार्य इस पुस्तिका में शामिल है और इसमें दो भाग हैं, भाग क और भाग ख। यह इस पाठ्यक्रम सभी खंडों कवर करता है। दोनों भागों के कुल अंक 100 हैं। सत्रीय कार्य में उत्तीर्ण होने के लिए आपको 35% अंक चाहिए।

सत्रीय कार्य से संबंधित निर्देश

सत्रीय कार्य के प्रश्नों के उत्तर लिखने से पहले, निम्नलिखित निर्देशों को ध्यान से पढ़ें।

1) अपनी TMA उत्तर पुस्तिका के पहले पृष्ठ पर सबसे ऊपर निम्नलिखित प्रारूप के अनुसार विवरण लिखें।

नामांकन संख्या : .....

नाम : .....

पता : .....

.....

पाठ्यक्रम कोड : .....

पाठ्यक्रम शीर्षक : .....

सत्रीय कार्य कोड : .....

अध्ययन केंद्र : ..... दिनांक : .....

कार्य के सही और शीघ्र मूल्यांकन के लिए दिये गए प्रारूप का सही अनुसरण करें।

2) अपने उत्तर लिखने के लिए फुलस्कैप काग़ज़ का इस्तेमाल करें, जो बहुत पतला न हो।
3) प्रत्येक कागज़ पर बायें, ऊपर और नीचे 4 cm जगह छोड़ें।
4) आपके उत्तर सटीक और अपने शब्दों में होने चाहिए।
5) इस सत्रीय कार्य के भाग क और भाग ख हल करें, और **भाग क और भाग ख सहित संपूर्ण सत्रीय कार्य को वैध तिथि के भीतर अपने अध्ययन केंद्र में जमा कर दें।**
6) आपको अपनी सत्रीय कार्य उत्तर पुस्तिका दिए गए समय के भीतर जमा करनी है। **वैध तिथि के बाद** सत्रीय कार्य उत्तर पुस्तिका नहीं ली जायेगी।

   हमारा सुझाव है कि आप अपने सत्रीय कार्य की एक प्रति अपने पास सुरक्षित रखें।
7) यह सत्रीय कार्य **01 जनवरी, 2026 से 31 दिसंबर, 2026 तक वैध** है। यदि आप इस सत्रीय कार्य में उत्तीर्ण नहीं हो पाते या इसे 31 दिसंबर, 2026 से पहले जमा नहीं कर पाते तो फिर आपको **2027** का सत्रीय कार्य करना होगा और कार्यक्रम दर्शिका में दिए गए निर्देशों के अनुसार इसे जमा करना होगा।
8) यदि आप इस सत्रीय कार्य को जमा नहीं करेंगे तो **आप इस पाठ्यक्रम का सत्रांत परीक्षा फार्म जमा नहीं कर सकेंगे**। किसी भी पूछताछ के लिए आप कृपया संपर्क करें : subhakanta@ignou.ac.in।

हमारी शुभकामानाएं आपके साथ हैं।

सत्रीय कार्य
(अध्यापक जांच सत्रीय कार्य)
पर्यावरण अध्ययन पर क्षमता वर्धक अनिवार्य पाठ्यक्रम (एईसीसी)

पाठ्यक्रम कोड : **BEVAE-181**
सत्रीय कार्यकोड : **BEVAE-181/TMA/2026**
कुल अंक : 100

नोट : सभी प्रश्न हल करें। प्रत्येक प्रश्न के अंक उसके सामने दिए गए हैं।

खंड क

1. "सतत् विकास एक आदर्श लक्ष्य है जिसकी ओर सभी मानव समाजों को आगे बढ़ने की ज़रूरत है" इस कथन की पुष्टि लगभग 250 शब्दों में कीजिए। (8)

2. निम्नलिखित को लगभग 125 शब्दों में उपयुक्त उदाहरण देकर अंतर स्पष्ट करें: (4x2=8)

   क) आनुवंशिक और प्रजाति विविधता

   ख) जैव विविधता के उपयोग और गैर–उपयोग मूल्य

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 150 शब्दों में दीजिए। (5x4=20)

   (क) हमारे आस–पास नवीकरणीय संसाधन में जीवमात्रा का महत्त्व दिन–प्रतिदिन बढ़ता जा रहा है। इसे सही उदाहरणों से समझाएँ।

   (ख) कचरे का निपटान क्या है? कचरे को अलग–अलग करने की ज़रूरत क्यों है?

   (ग) सही उदाहरणों के साथ पेड़ों की कटाई के किन्हीं पाँच नतीजों पर चर्चा करें।

   घ) चित्र की सहायता से जल विज्ञान चक्र पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखें।

4. जैविक और अजैविक घटकों के उदाहरण लेकर मानव–पर्यावरण के संबंध को समझाइए? (7)

5. भारत में गैर–प्रदूषणकारी ऊर्जा प्रणालियाँ का गंभीर मूल्यांकन करें। लगभग 200 शब्दों में उपयुक्त उदाहरणों के साथ अपने उत्तर को स्पष्ट कीजिए। (7)

खंड ख

6. निम्नलिखित शब्दों को लगभग 60 शब्दों में समझाइए: (2x4=8)

   क) हरितग्रह (ग्रीनहाउस) प्रभाव

   ख) जलवायु परिवर्तन

   ग) एजेंडा 21

   घ) पर्यावरणीय न्याय

7. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 150 शब्दों में दीजिए। (5x4=20)

   क) घास के मैदान के पारिस्थितिकी तंत्र के महत्व को समझाइए।

   ख) सही उदाहरणों के साथ प्राकृतिक आपदाओं और उनके प्रकारों को बताएं।

   ग) राष्ट्रीय पर्यावरण कानूनों को लागू करने में आने वाली समस्याओं के बारे में बताएं।

घ) प्रकृति के प्रति मनुष्य के नजरिए के संदर्भ में जैवकेन्द्रवाद और पारिस्थितिकीकेन्द्रवाद को समझाइए।

8. "सूखे से निपटने के लिए जल संचयन एक असरदार तरीका है।" इस बात को सही तर्कों के साथ समझाइए। (7)

9. "संरक्षित क्षेत्र, प्रजातियों के यथास्थल संरक्षण में बहुत ज़रूरी भूमिका निभाते हैं।" इसे लगभग 200 शब्दों में स्पष्ट कीजिए। (7)

10. प्राथमिक और द्वितीयक प्रदूषक के बीच अंतर कीजिए। लगभग 250 शब्दों में समझाइऐ कि ये प्रदूषक इंसानों और पर्यावरण के लिए कैसे नुकसानदायक हैं। (8)